



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, शुक्रवार, 18 नवम्बर, 2005/27 कार्तिक, 1927

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग, शिमला

अधिसूचना

शिमला-171 002, 31 अक्टूबर, 2005

संख्या एच० पी० ई० आर० सी०/609A.—निम्नलिखित प्रारूप विनियम, जिन्हें हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, दिनांक 19 अप्रैल,

2005 में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग [उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम] (मंच) पर्याप्तता मार्गदर्शन] विनियम, 2003 में संशोधन करने हेतु विद्युत अधिनियम, 2003 (यह कब 2003) की धारा 42 की उपधारा (5) तथा धारा 181 के साथ पठित साधारण स्वयं अधिनियम, 1977 (11 का 1977) की धारा 21 द्वारा पठित शक्तियों तथा इस निमित्त सशक्त करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करता है, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 181 की उप धारा (3) द्वारा ग्योपेक्षित के अनुसार उनसे आम प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की सूचना के बिना प्रकाशित किए जाते हैं और एतद्वारा यह नोटिस (सूचना) दिया जाता है कि उक्त पारूप विनियमों पर, इनके सभापत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से तीस (30) दिन के अवसान पर किसी भी आक्षेप या सूझाव सहित, जो इस बानत उक्त अवधि के भीतर प्राप्त हुआ हो, हुए हों, निवार किया जाएगा।

इस निमित्त आक्षेप या सूझाव सचिव, हिमाचल प्रदेश, विद्युत विनियामक आयोग, नगोंथल कमर्शियल कॉम्पलेक्स, स्वलिनी, शिमला को सम्बोधित किए जाने चाहिए।

4

### पारूप विनियम

1. संक्षिप्त नाम और पारूप (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग [उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (मंच) पर्याप्तता मार्गदर्शन] (तृतीय संशोधन) विनियम, 2005 है।

(2) ये विनियम सभापत्र, हिमाचल प्रदेश, में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. विनियम 2 का संशोधन हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग [उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (मंच) पर्याप्तता मार्गदर्शन] विनियम, 2003 (जिन्हें इसमें "उक्त विनियम" कहा गया है) के विनियम 2 में से स्वच्छ (18) तथा (20) का लोप किया जाएगा।

3. विनियम 5 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 5 के आरम्भ में शब्द "किसी लागू विधि में कोई बात प्रतिकूल होते हुए परन्तु" जोड़े जाएंगे।

4

विनियम 8 का लोप—उक्त विनियमों के विनियम 8 का लोप किया जाएगा। ६

5 विनियम 7 का संशोधन—अन्त विनियमों के विनियम 7 में

- (i) सभ विनियम (1) में आए शब्द “द्वय विनियम (6) के सभ विनियमों के अध्याधीन” का जोड़ किया जाएगा।
- (ii) सभ विनियम (4) में आए शब्द “यह कथन ‘सामोका, चिनकी शिकागत का निवारण, निरण अनुज्ञापिधारी की आन्तरिक निवारण रचना प्रवचन द्वारा नहीं हुआ, वह शिकागत निवारण हेतु रणागिन फोरम (मंच) के समक्ष अपनी शिकागत रख सकती है, भी पुन निर्ण पर रणा होना आवश्यक है” का जोड़ किया जाएगा।

8 विनियम 8 का संशोधन—अन्त विनियमों के विनियम 8 की मद (2) के पश्चात् निम्नलिखित मद (3) अन्त रणागिन की जाएगी, नामतः

“(3) अधिनियम की धारा 57 की सभ धारा (2) के अधीन देय पत्रिक”

9 विनियम 11 का संशोधन—अन्त विनियमों के विनियम 11 में

- (i) सभ विनियम (1) में शब्द (क) तथा (ख) में यहाँ कहीं भी आए शब्द “नोडन अधिकारी” के स्थान पर शब्द “निरण अनुज्ञापिधारी अथवा उस द्वारा पदामिहीन अधिकारी” प्रतिस्थापित किए जाएंगे,
- (ii) सभ विनियम (2) तथा (3) में यहाँ कहीं भी आए शब्द “दो माह” के स्थान पर शब्द “तीन माह” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

10 विनियम 13 का संशोधन—अन्त विनियमों के विनियम 13 में

- (i) मूल विनियम 13 को सभ विनियम (1) के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और उस में आए शब्दों तथा चिन्ह “ऐसे प्रारूप और रीति में जैसे आयोग विनिर्दिष्ट करे,” का जोड़ किया जाएगा।
- (ii) पुन संख्यांकित सभ विनियम के पश्चात् निम्नलिखित सभ विनियम (2), (3), (4) तथा (5) जोड़े जाएंगे, नामतः

“(2) अध्यावेदन प्रारूप 1 क में विनिर्दिष्ट रीति में हस्ताक्षरित पुन संस्थापित किया जाएगा।

(3) अभ्यावेदन के साथ 100 रुपये की फीस दी जाएगी और उक्त फीस विद्युत ओम्बुडसमैन को देय होगी।

(4) विद्युत ओम्बुडसमैन उप-विनियम (1) के अन्तर्गत अभ्यावेदन प्राप्त होने पर, अभ्यावेदनकर्ता को सुनाई का अवसर देने के पश्चात् अभ्यावेदन को यथासंभव शीघ्र निपटाएगा और अभ्यावेदन प्राप्त किए जाने की तारीख से तीन मास के भीतर अभ्यावेदन निपटाने का प्रयास किया जाएगा :

परन्तु जहां कोई अभ्यावेदन तीन मास की उक्त अवधि के भीतर नहीं निपटाया जा सके वहां उक्त अवधि के भीतर अभ्यावेदन नहीं निपटाये जाने के लिए कारण लेखबद्ध करेगा।

(5) जब तक आयोग द्वारा अन्यथा अनुज्ञात न हो, उन मामलों में, जिनके बारे में इन विनियमों में कोई उपबन्ध नहीं है, आयोग के कारवार संचालन विनियमों में अधिकथित याचिकाओं तथा आवेदनों के दाखिल करने तथा उन पर कार्रवाई करने वाले उपबन्ध लागू होंगे।

9. विनियम 14 का संशोधन.—उक्त विनियम के विनियम 14 में निम्नलिखित उप-विनियम (3) जोड़ा जाएगा, नामत् :—

“(3) इन विनियमों में उपबन्धित कोई भी बात, अभिव्यक्त या विवक्षित रूप से, वर्तमान में लागू वितरण अनुज्ञप्तिधारी के आन्तरिक विवाद निवारण रचना प्रबन्धन (आ० वि० नि० र० प्र०) के अधीन उपभोक्ता के अधिकारों और विशेषाधिकारों को प्रभावित नहीं करेगी।”

10. प्रारूप 1-क का अन्तःस्थापन.—उक्त विनियमों के प्रारूप-1 के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप 1-क अन्तःस्थापित किया जाएगा, नामत् :—

प्रारूप-1 क  
(विनियम 13-क देखें)

“हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग [उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (मंच) प्रस्थापना मार्गदर्शन] विनियम, 2003 के विनियम 13 के अधीन, हिमाचल प्रदेश विद्युत ओम्बुड्समैन के समक्ष अभ्यावेदन

1. ....

2. ....

अभ्यावेदनकर्ता

उपभोक्ता का पूरा पता

एवं

उत्तरदाता

उत्तरदाता का पूरा पता

अनुज्ञापिधारी का नाम

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग  
[उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (मंच) प्रस्थापना मार्गदर्शन] विनियम, 2003  
के विनियम 13 के अन्तर्गत अभ्यावेदन

फोरम के अन्तिम अधिनिर्णय क्र० ..... वर्ष ..... 200 ..... जो  
अभ्यावेदनकर्ता को ..... को प्राप्त हुआ से परिवेक्षित होकर उपरोक्त नामित अभ्यावेदनकर्ता  
निम्न आधारों पर ज्ञापन प्रस्तुत करने हेतु निवेदन करता है.—

आधार

1.

2.

3.

(प्रकरण के आधार दीजिए जिनके आधार पर अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है तथा कारण बताइये कि अन्तिम आदेश कायम रखने योग्य नहीं हैं)।

शुल्क रुपये..... / नगद / डिमाण्ड ड्राफ्ट क्र० ..... दिनांक ..... द्वारा जमा करा दिया गया है। भुगतान का प्रमाण संलग्न है।

अन्तिम अधिनिर्णय दोनों पक्षकारों की सहमति से नहीं दिया गया था।

### प्रार्थना

प्रार्थना है कि .....

(अभ्यावेदनकर्ता का नाम एवं हस्ताक्षर)

### सत्यापन

मैं..... घोषित करता हूँ कि उपयुक्त पैराओं में जो कुछ कहा गया है वह मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार सत्य है तथा मैं उसकी सत्यता पर विश्वास करता हूँ।

यह आज की तारीख को ..... पर सत्यापित एवं हस्ताक्षरित किया गया।

(अभ्यावेदनकर्ता का नाम एवं हस्ताक्षर)

स्थान :

दिनांक :

अनुलग्नकों की सूची :

1. फोरम (मंच) विद्युत ओम्बुड्समैन के अधिनिर्णय की अधिप्रमाणित प्रति
2. शुल्क जमा कराने का सन्दर्भ
3. ....
4. ....

(आयोग के आदेश द्वारा),

हस्ताक्षरित / -

सचिव।

*AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT*

**HIMACHAL PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION  
SHIMLA**

**NOTIFICATION**

*Shimla-171 002, the 31<sup>st</sup> October, 2005*

**No. HPERC/609A.**—The following draft regulations, which the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission proposes to make to amend the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Guidelines for Establishment of Forum for Redressal of Grievances of the Consumers) Regulations, 2003, published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extraordinary), dated 24<sup>th</sup> October 2003 in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 42 and section 181 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) and all other powers enabling it in this behalf are hereby published as required by sub-section (3) of section 181 of the said Act, for the information all the persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft regulations will be taken into consideration after the expiry of thirty days from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh, together with any objections or suggestions which may within the aforesaid period be received in respect thereto.

The objections or suggestions in this behalf should be addressed to the Secretary, Himachal Pradesh Regulatory Commission, Keonthal Commercial Complex, Khalini, Shimla-171002.

**DRAFT REGULATIONS**

**1. Short title and commencement.**—(1) These regulations may be called the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Guidelines for Establishment of Forum for Redressal of Grievances of the Consumers) (Third Amendment) Regulations, 2005.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**2. Amendment of regulation-2.**—In regulation 2 of the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Guidelines for Establishment of Forum for Redressal of Grievances of the Consumers) Regulations, 2003 (hereinafter called “the said regulations”) clauses (18) and (20) shall be omitted.

**3. Amendment of regulation 5.**—In regulation 5 of the said regulations, for the words “Subject to other provisions of these regulations”, the words “Notwithstanding

anything to the contrary contained in any other law for the time being in force, but subject to other provisions of these regulations" shall be substituted.

4. **Omission of regulation 6.**—Regulation 6 of the said regulations shall be omitted.

5. **Amendment of regulation 7.**—In regulation 7 of the said regulations—

- (i) In sub-regulation (1), for words "Subject to sub-regulation (6) of this regulation every", the word "Every" shall be substituted ;
- (ii) In sub-regulation (4), the words "The statement consumers whose grievance is not solved by the Internal Executive Dispute Resolution Mechanism of the distribution licensee can approach the Forum established for redressal of the grievance shall also be printed on such bills." shall be omitted.

6. **Amendment of regulation 8.**—After item (2) of regulation 8 of the said regulations, the following item (3) shall be inserted, namely:—

"(3) compensation payable under sub-section (2) of section 57 of the Act;"

7. **Amendment of regulation 11.**—In regulation 9 of the said regulations—

- (i) in sub-regulation (1) in clauses (a) and (b) for the words "nodal officer" wherever these occur, the words " the distribution licensee or any officer designated by it" shall be substituted;
- (ii) in sub-regulations (2) and (3) for the words "two months" wherever these occur the words "three months" shall be substituted.

8. **Amendment of regulation 13.**—In regulation 13 of the said regulations—

- (i) the existing regulation 13 shall be numbered as sub-regulation (1) and the words "in such form and manner as may be specified by the Commission" shall be omitted;
- (ii) after sub-regulations so renumbered, the following sub-regulations (2), (3), (4) and (5) are added, namely:—

"(2) The representation shall be signed and verified in the manner specified in Form-I A.



- (3) The representation shall be accompanied by a fee of Rs. 100/- and such fee shall be payable to the Electricity Ombudsman.
- (4) On receipt of representation under sub-regulation (1) the Electricity Ombudsman shall after giving the representationist an opportunity of being heard, dispose of the representation as expeditiously as possible, but not later than three months from the date of the receipt of the representations :

Provided that where any representation could not be disposed of within the said period of three months, the Electricity Ombudsman shall record his reasons in writing for not disposing of the representation within the said period.

- (5) Unless otherwise permitted by the Commission, the matters, in relation to which no provision has been made in these regulations, shall be governed by the provisions laid down in the Conduct of Business Regulations of the Commission for submission and processing of the petitions and applications as if in the Commission".

**9. Amendment of regulation 14.**—In regulation 14 of the said regulations, the following sub-regulation (3) shall be added, namely:—

“(3) Nothing contained in these regulations shall, expressly or impliedly, restrict the rights and privileges of the consumer under the Internal Executive Disputes Resolution Mechanism (IEDRM) of the distribution licensee”.

10. **Insertion of Form I-A.**—After Form I of the said regulations the following Form-I A shall be inserted namely:—

"Form-I A"  
(see regulation 13)

**REPRESENTATION BEFORE THE HIMACHAL PRADESH  
ELECTRICITY OMBUDSMAN  
SHIMLA**

[Under regulation 13 of the HPERC (Guidelines for Establishment of Forum for Redressal of Grievances of the Consumers) Regulations, 2003]

BETWEEN

1. ....
2. ....

Representationist  
(Full address of the Consumer),

AND

1. ....
2. ....

Respondent  
(Full address of the Licensee)

[Appeal under regulation 13 of the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Guidelines for Establishment of Forum for Redressal of Grievances of the Consumers) Regulations, 2003]

Aggrieved by the Forum's final order No. \_\_\_\_\_ of 200 \_\_\_\_\_ which was received by the Representationist on \_\_\_\_\_, the Representationist above named begs to present this Representation of Appeal on the following grounds:—

**GROUND**

1

2.

3.

(State the grounds of the case on which the representation is made and why the final order is unsustainable)

The fee of Rs ..... is paid by cash/demand draft bearing No. .... dated .....

The final order was not passed with the consent of the parties.

### PRAYER

It is, therefore, prayed that .....  
.....

Name and Signature of the  
Representationist

### VERIFICATION

I, ..... declare that what is stated in all the above paragraphs is true to the best of my knowledge and information and I believe it to be correct.

Verified and signed at ..... on .....  
(place) (date)

Name and Signature of the  
Representationist

List of Enclosures :

1. True copy of the order of the Forum
2. Reference of disposition of fee
3. ....
4. ....

By order of the Commission,  
Sd/-  
Secretary.

## हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग, शिमला

## अधिसूचना

शिमला-171 002, 31 अक्तूबर, 2005

संख्या एच0 पी0 ई0 आर0 सी0/609-B.—निम्नलिखित प्रारूप विनियम, जिन्हें हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, दिनांक 19 अप्रैल, 2005 में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004 में संशोधन करने हेतु विद्युत अधिनियम, 2003 (36 का 2003) की धारा 42 की उप-धारा (7) तथा धारा 181 के साथ पठित साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 (10 का 1897) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त सशक्त करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करता है, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 181 की उप-धारा (3) द्वारा यथोपेक्षित के अनुसार उनसे आम प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की सूचना के लिये प्रकाशित किए जाते हैं और एतद्वारा यह नोटिस (सूचना) दिया जाता है कि उक्त प्रारूप विनियमों पर, इनके राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से तीस (30) दिन के अवसान पर किसी भी आक्षेप या सुझाव सहित, जो इस बाबत उक्त अवधि के भीतर प्राप्त हुआ हो/हूए हों, विचार किया जाएगा।

इस निमित्त आक्षेप या सुझाव सचिव, हिमाचल प्रदेश, विद्युत विनियामक आयोग, क्यॉथल्ल, कमर्शियल कम्प्लेक्स, खलिनी, शिमला को सम्बोधित किए जाने चाहिए।

## प्रारूप विनियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2005 है।

(2) ये विनियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. विनियम 7 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004 (जिन्हें इसमें “उक्त विनियम” कहा गया है) के विनियम 7 के उप-विनियम (1) में आए शब्द “नियमों या विनियमों” के पश्चात् शब्द “अथवा सरकार या आयोग द्वारा दिये गये सामान्य आदेशों अथवा निर्देशों” जोड़े जायेंगे।

3. विनियम 12-क का अन्तःस्थापन.—उक्त विनियमों के विनियम 12 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम 12-क अन्तःस्थापित किया जायेगा, नामत् :—

“12-क अपील.—(1) कोई भी व्यक्ति जो विनियम 12 के अन्तर्गत विद्युत ओम्बुड्समैन के अधिनिर्णय (पंचाट) के कारण व्यथित है, अधिनिर्णय (पंचाट) देने के पैंतालीस दिन के भीतर प्ररूप 1-क पर आयोग के पास अपील दायर कर सकता है :

परन्तु आयोग यदि सन्तुष्ट है कि नियत कालावधि के भीतर अपील दायर न कर सकने के पर्याप्त कारण विद्यमान हैं, तो वह उक्त पैंतालीस दिन की अवधि बीतने पर भी अपील प्राप्त कर सकेगा।

(2) अपील का ज्ञापन प्ररूप-1 क में विनिर्दिष्ट रीति के अनुसार सत्यापित व हस्ताक्षरित किया जायेगा।

(3) अपील हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (कारबार संचालन) विनियम, 2005 की अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस के साथ दायर की जाएगी और आयोग को उक्त फीस की अदायगी उसी रीति से की जाएगी जैसे कि आयोग के समक्ष दाखिल की जाने वाली याचिकाओं व आवेदनों के बारे में, कारबार संचालन विनियमों के अधीन अदा की जाती है।

(4) आयोग उप-विनियम (1) के अन्तर्गत अपील प्राप्त करने पर, अपीलार्थी को सुनाई का अवसर देने के पश्चात् अपील यथासंभव शीघ्र निपटाएगा तथा उस पर आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

(5) जब तक आयोग द्वारा अन्यथा अनुज्ञात न हो, उन मामलों में, जिनके बारे में इन विनियमों में कोई उपबन्ध नहीं है, आयोग द्वारा कारबार संचालन विनियमों में अधिकथित याचिकाओं तथा आवेदनों के दाखिल करने तथा उन पर कार्रवाई करने वाले उपबन्ध लागू होंगे।

4. विनियम 14 का प्रतिस्थापन.—उक्त विनियमों के विनियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः—

“14. कालिक कथन.—(1) विद्युत ओम्बुडसमैन—

(क) अपने द्वारा निपटाए जाने वाली शिकायतों की प्रवृत्ति,

(ख) शिकायतों के निवारण में अनुज्ञप्तिधारी के प्रत्युत्तर; और

(ग) पिछले छः महीनों के दौरान अधिनियम की धारा 57 के अधीन आयोग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट कार्य निष्पादन के मानकों का अनुज्ञप्तिधारी के अनुपालन पर विद्युत ओम्बुडसमैन की राय;

का ब्यौरा देते हुए छः माही आधार पर प्ररूप-3 पर एक रिपोर्ट तैयार करेगा।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन रिपोर्ट छः महीने की संगत अवधि की समाप्ति के बाद 45 दिनों के भीतर आयोग और राज्य सरकार को अग्रेषित की जाएगी।”

5. प्ररूप 1-क का अन्तःस्थापन.—विनियमों में विद्यमान प्ररूप-1 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप 1-क अन्तःस्थापित किया जायेगा, नामतः—

प्ररूप 1-क  
(विनियम 12-क देखें)

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004 के विनियम 12-क अधीन, हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष अपील के मध्य

1. ....

2. ....

अपीलार्थी

उपभोक्ता का पूरा पता

एवं

उत्तरदाता

उत्तरदाता का पूरा पता

अनुज्ञप्तिधारी का नाम

हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004 के विनियम 12-क के अन्तर्गत अपील

विद्युत ओम्बुड्समैन के अन्तिम अधिनिर्णय (पंचाट) क्र० ..... वर्ष ..... 200 ..... जो अपीलार्थी को ..... को प्राप्त हुआ से परिवेक्षित होकर उपरोक्त नामित अपीलार्थी निम्न आधारों पर अपील ज्ञापन प्रस्तुत करने हेतु निवेदन करता है :—

आधार

1.

2.

3.

(प्रकरण के आधार दीजिए जिनके आधार पर अपील प्रस्तुत की गई है तथा कारण बताईये कि अन्तिम आदेश कायम रखने योग्य नहीं हैं)

अपील का मूल्य रुपये ..... है और शुल्क रुपये ..... / नगद / डिमाण्ड ड्राफ्ट क्र० ..... दिनांक ..... द्वारा जमा करा दिया गया है। भुगतान का प्रमाण संलग्न है।

अन्तिम अधिनिर्णय (पंचाट) हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004 के विनियम 11 के अन्तर्गत दोनों पक्षकारों की सहमति से नहीं दिया गया था।

## प्रार्थना

प्रार्थना है कि .....

(अपीलार्थी का नाम एवं हस्ताक्षर)

## सत्यापन

मैं ..... घोषित करता हूँ कि उपयुक्त कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है वह मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार सत्य है तथा मैं उसकी सत्यता पर विश्वास करता हूँ।

यह आज की तारीख को ..... पर सत्यापित एवं हस्ताक्षरित किया गया ।

(अपीलार्थी का नाम एवं हस्ताक्षर)

स्थान :

दिनांक :

अनुलग्नकों की सूची :

1. विद्युत ओम्बुड्समैन के अधिनिर्णय (पंचाट) की अधिप्रमाणित प्रति
2. शुल्क जमा कराने का सन्दर्भ
3. ....

6. प्ररूप 2 का संशोधन.—उक्त विनियमों के प्ररूप-2 में यहां कहीं भी आए शब्द ““तिमाही” तथा “तीन माह” के स्थान पर शब्द “छः माही” तथा “छः माही” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

7 हिमाचल प्रदेश विनियामक आयोग (कारबार संचालन) विनियम, 2004 में संशोधन हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (कारबार संचालन) विनियम 2004 में

- (i) विनियम क्त के तम विनियम (1) में शब्द न सिम्ब "पब्लिक गार्डियन", के पश्चात् शब्द न सिम्ब "अपील", अन्तर्भावित किए जाएंगे;
- (ii) विनियम क्त में निम्नलिखित मन् (n) जोड़ी जाएगी, नामत "16) विद्युत ओम्बुड्समैन के अधिनियम (पंचाट) के विरुद्ध अपील 1" तथा
- (iii) अनुसूची में निम्नलिखित मन् 13 क जोड़ी जाएगी, नामत

13 क	विद्युत ओम्बुड्समैन के अधिनियम (पंचाट) के विरुद्ध अपील में	हिमाचल प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत ओम्बुड्समैन) विनियम, 2004	विनियम 100/-
		12 क	

431

आयोग द्वारा आवेशित,  
हस्ताक्षरित / -  
सचिव।



**AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT**

**HIMACHAL PRADESH ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION  
SHIMLA**

**NOTIFICATION**

*Shimla 171 002, the 11<sup>th</sup> October, 2005*

**No. HPERC/609 B.** The following draft regulations, which the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission proposes to make to amend the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Electricity Ombudsman) Regulations, 2004, published in the *Rajpatra*, Himachal Pradesh (Extraordinary), dated 19<sup>th</sup> April, 2004 in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 42 and section 181 of the Electricity Act, 2003 (16 of 2003) read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) and all other powers enabling it in this behalf are hereby published as required by sub-section (3) of section 181 of the said Act, for the information all the persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft regulations will be taken into consideration after the expiry of thirty days from the date of their publication in the *Rajpatra*, Himachal Pradesh, together with any objections or suggestions which may within the aforesaid period be received in respect thereof.

The objections or suggestions in this behalf should be addressed to the Secretary, Himachal Pradesh Regulatory Commission, Karmahal Commercial Complex, Kharini, Shimla 171 002.

**DRAFT REGULATIONS**

**1. Short title and commencement.** (1) These regulations may be called the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Electricity Ombudsman) (Second Amendment) Regulations, 2005.

(2) These regulations shall come into force on the date of their publication in the *Rajpatra*, Himachal Pradesh.

**2. Amendment of regulation 7.** At the end of sub-section (1) of regulation 7 of the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Electricity Ombudsman) Regulations, 2004 (hereinafter called "the said regulations") the words "or general orders or directions given by the State Government or the Commission in this regard" shall be added.

**3. Insertion of regulation 12-A.** After regulation 12 of the said regulations, the following regulation 12-A shall be inserted namely:

**"12-A. Appeal.** (1) Any person aggrieved by an award made under regulation 12 by the Electricity Ombudsman may, prefer an appeal in Form I-A against such award to the Commission, within a period of forty five days from the date of the award.

Provided that the Commission may entertain an appeal after the expiry of the said period of forty-five days if it is satisfied that there was sufficient cause for not filing the appeal within that period.

(2) The Memorandum of Appeal shall be signed and verified in the manner specified in Form-1A.

(3) The appeal shall be accompanied by such fee as may be specified in the Schedule to the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 2005 and such fee shall be payable to the Commission in the same manner as the fees are payable in relation to the petitions or applications made to the Commission under the said Conduct of Business Regulations.

(4) On receipt of an appeal under sub-regulation (1), the Commission shall, after giving the appellant an opportunity of being heard, dispose of the appeal as expeditiously as possible, and the decision of the Commission shall be final.

(5) Unless otherwise permitted by the Commission, the matters, in relation to which no provision has been made in these regulations, shall be governed by the provisions laid down in the Conduct of Business Regulations of the Commission for submission and processing of the petitions and applications in the Commission.

**4. Substitution of regulation 14.**—For regulation 14 of the said regulations the following regulations shall be substituted, namely;—

**“14. Periodical Statements.**—(1) The Electricity Ombudsman shall prepare in Form-2 a statement on six monthly basis giving—

- (a) details of the nature of the grievances of the consumers dealt by the Electricity Ombudsman;
- (b) the response of the licensees in the redressal of the grievances;
- (c) and the opinion of the Electricity Ombudsman on the licensee's compliance of the standards of performance as specified by the Commission under section 57 of the Act during the preceding six months.

(2) The statement under sub-regulation (1) shall be forwarded to the Commission and the State Government within 45 days after the end of the relevant period of six months”.

5. **Insertion of Form 1-A.**—After existing Form-1 to the said regulations, the following Form 1-A shall be inserted, namely:—

“FORM-1-A”  
(see regulation 12-A)

**APPEAL BEFORE THE HIMACHAL PRADESH  
ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION  
SHIMLA**

{under regulation 12-A of the HPERC (Electricity Ombudsman) Regulations, 2004}

**BETWEEN**

1. ....
2. ....

Appellant  
(Full address of the Consumer).

**AND**

1. ....
2. ....

Respondent  
(Full address of the Licensee).

Appeal under regulation 12-A of the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Electricity Ombudsman) Regulations, 2004.

Aggrieved by the final order No. .... of 200 ..... which was received by the Appellant on ....., the Appellant above named begs to present this Memorandum of Appeal on the following grounds:—

**GROUND**

- 1.
- 2.
- 3.

(State the grounds of the case on which the appeal is filed and why the final order is un-sustainable)

The value of appeal is Rs. .... and a fee of Rs. .... is paid by cash/demand draft bearing No. .... dated .....

The final order was not passed with the consent as per regulation 11 of the HPERC (Electricity Ombudsman) Regulations, 2004.

### PRAYER

It is, therefore, prayed that .....

Name and Signature of the  
Appellant

### VERIFICATION

I ..... declare that what is stated in all the above paragraphs is true to the best of my knowledge and information and I believe it to be correct.

Verified and signed at ..... on .....  
(place) (date)

Name and Signature of the  
Appellant

List of Enclosures:

1. True copy of the order of the Electricity Ombudsman
2. Reference of disposition of fee
3. ....
4. ....

**6. Amendment of Form 2.**—In Form 2 of the said regulations for the word “QUARTER” or “quarter” wherever it occurs, the words “PERIOD OF SIX MONTHS” or “period of six months” shall be substituted.

**7. Amendments in the Himachal Pradesh Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 2005.**—In the Himachal Pradesh,

Electricity Regulatory Commission (Conduct of Business) Regulations, 2005.—

- (i) in sub-regulation (1) of regulation 58, after the words and sign “Every petition,”, the word and sign “appeal,” shall be inserted;
- (ii) in regulation 59, the following item (6) shall be added, namely;
- “(6) appeals against the awards made by the Electricity Ombudsman.”;  
and
- (iii) in the Schedule, the following item 13-A shall be inserted, namely.—
- |        |   |  |          |
|--------|---|--|----------|
| “13-A. | Appeal against the<br>award of the Electricity<br>Ombudsman | Regulation 12-A of __.”<br>the HPERC (Electricity<br>Ombudsman) Regulations,<br>2004 | Rs.100/- |
|--------|---|--|----------|

By order of the Commission,  
Sd/-  
Secretary.

